हेटरोटोपिक गर्भावस्था (Heterotopic pregnancy)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करने के लिए है कि हेटरोटोपिक गर्भावस्था क्या है, हेटरोटोपिक गर्भावस्था कैसे विकसित होती है, लक्षण क्या हैं, और भविष्य में गर्भधारण के लिए पुनरावृत्ति जोखिम क्या है।

१) हेटरोटोपिक गर्भावस्था क्या है?
आम तौर पर, एक अंडा ट्यूब में एक स्पर्म से मिल कर एंब्रियो बनाता है जो गर्भाशय की ओर जाता है। यदि एंब्रियो गर्भाशय तक प्रत्यारोपण के लिए नहीं पहुँच पाता है तो वह गर्भाशय के बाहर प्रत्यारोपित और विकसित होता है, जिसे अस्थानिक गर्भावस्था कहते हैं। हेटरोटोपिक गर्भावस्था को एकाधिक गर्भावस्था माना जाता है, जिसमें एक एंब्रियो गर्भाशय में स्थित होता है और दूसरा गर्भाशय के बाहर स्थित होता है। हेटरोटोपिक गर्भावस्था अत्यंत दुर्लभ है, अनुमान है कि लगभग 1/30,000 गर्भधारण में ऐसा होता है। एक्टोपिक गर्भावस्था का सबसे आम स्थान फैलोपियन ट्यूब है, लेकिन यह सर्विक्स, अंडाशय, पिछले सीजेरियन सेक्शन के निशान या पेट में भी हो सकता है।

२) हेटरोटोपिक गर्भावस्था कैसे होती है?
हेटरोटोपिक गर्भावस्था का वास्तविक कारण अभी भी अज्ञात है। हालाँकि, हेटरोटोपिक गर्भधारण के लिए दो हाइपोथिसिस हैं:
सबसे पहले, दो अंडे एक ही समय में दो अलग-अलग स्पर्म्स से मिल कर दो एंब्रियो बनाते हैं जो अलग-अलग स्थानों पर प्रत्यारोपित होते हैं, एक गर्भाशय में और दूसरा गर्भाशय के बाहर, जिससे हेटरोटोपिक गर्भावस्था होती है।
दूसरे, एक एक्टोपिक गर्भावस्था विकसित हो जाने के बाद, एक अन्य अण्ड स्पर्म्स से फर्टिलाइज़ हो कर एंब्रियो बनाता है जो गर्भाशय में प्रत्यारोपित हो जाता है, जिससे हेटरोटोपिक गर्भावस्था हो सकती है।

३) हेटरोटोपिक गर्भावस्था के लक्षण क्या हैं?
हेटरोटोपिक गर्भावस्था के विभिन्न प्रकार के लक्षण हैं, हालांकि, लगभग 50% रोगी में कोई लक्षण नहीं होते हैं। लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हैं:
१) एमेनोरिया (मासिक की अनुपस्थिति) एक सामान्य लक्षण है, लेकिन कभी-कभी आप असामान्य रक्तस्राव को मासिक धर्म के साथ भ्रमित कर सकते हैं।
२) पेट के निचले हिस्से में दर्द: यह एक तरफ या दोनों तरफ, रुक-रुक कर या लगातार हो सकता है। इस लक्षण के कई स्तर हैं: हल्का दर्द, तेज या गंभीर दर्द।
३) पेट में रक्त के रिसाव के कारण कंधे के सिरे तक दर्द हो सकता है। यह इस बात का संकेत है कि हालात बदतर होते जा रहे हैं.
४) वैजाइना से रक्तस्राव अक्सर होता है, जो पीरियड से भिन्न होता है।
५) यदि एक्टोपिक गर्भावस्था फट जाती है और आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनती है, तो आपको तेज दर्द और हाइपोवॉलमिक शॉक होगा । इससे आपके हाथ ठंडे हो जाएंगे, सासों में तेज़ी आ जाएगी, बीपी कम हो जाएगा और दिल की धड़कन तेज़ हो जाएगी। आप बेहोश भी हो सकते हैं। इनमें से किसी भी लक्षण को एक चिकित्सीय आपात स्थिति माना जाएगा और सलाह दी जाती है कि आप अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से संपर्क करें या तुरंत आपातकालीन कक्ष में जाएँ।

४) हेटरोटोपिक गर्भावस्था का डायग्नोसिस कैसे किया जाता है?
हेटरोटोपिक गर्भावस्था का डायग्नोसिस चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अधिकांश हेटरोटोपिक गर्भावस्था गर्भावस्था के पांच से दस सप्ताह के बीच होती है। जब आप एमेनोरिया, पेट के निचले हिस्से में दर्द या वैजाइना से रक्तस्राव के साथ अस्पताल आते हैं तो इन लक्षणों को गर्भावस्था की अन्य प्रारंभिक कॉम्प्लिकेशंस के जैसा समझा जाता है। हेटेरोटोपिक गर्भावस्था का डायग्नोसिस निम्न के आधार पर किया जाएगा:

१) शारीरिक परीक्षण: डॉक्टर पेल्विक परीक्षण पर कुछ महत्वपूर्ण संकेतों का पता लगा सकते हैं जिससे हेटरोटोपिक गर्भावस्था का डायग्नोसिस हो सकती है। इन संकेतों में एक ही स्थान पर दर्द का होना, पेट की जलन या अंडाशय में एक गाँठ या बढ़े हुए गर्भाशय की पहचान करना शामिल है।

२) β एचसीजी माप: आपके रक्त में β एचसीजी (बीटा-ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन) हेटरोटोपिक गर्भावस्था के डायग्नोसिस को स्थापित करने में सहायक नहीं हो सकता है क्योकि इसमें स्थानिक गर्भावस्था भी होती है।

३) ट्रांसवजाइनल अल्ट्रासाउंड: (जहां प्रोब को आपकी वैजाइना में धीरे से डाला जाता है) एक हेटरोटोपिक गर्भावस्था के डायग्नोसिस में महत्वपूर्ण और उपयोगी उपकरण है। डॉक्टर इस स्थिति की पहचान कर सकते हैं यदि दो छवियां मिले जिनमे एक एक्टोपिक गर्भावस्था हो और दूसरी स्थानिक गर्भावस्था हो। हेमोरेजिक कॉर्पस ल्यूटियल सिस्ट नामक स्थिति भी हेटरोटोपिक गर्भावस्था की तरह दिखती है जिससे डायग्नोसिस चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

४) देखने लायक चीज़ें क्या हैं**?**

हेटेरोटोपिक गर्भावस्था का मुख्य कारण एक्टोपिक गर्भावस्था का होना है। एक्टोपिक गर्भावस्था का सामान्य स्थान फैलोपियन ट्यूब है और अन्य स्थानों में सर्विक्स, अंडाशय, पिछले सीजेरियन निशान या यहां तक कि पेट भी शामिल हो सकता है। इनमें से किसी भी अंग में विकासशील गर्भावस्था का समर्थन करने के लिए पर्याप्त क्षमता और पोषण नहीं है।

जैसे-जैसे एंब्रियो बढ़ता है, वैसे-वैसे गर्भावस्था फटने और आंतरिक रक्तस्राव के होने का ख़तरा बढ़ता है। फटी हुई एक्टोपिक गर्भावस्था के लक्षणों में तेज दर्द और हाइपोवॉलमिक शॉक शामिल हैं। यदि आपमें कोई संदिग्ध लक्षण हैं, तो तत्काल उपचार के लिए अपने नजदीकी चिकित्सा विभाग में जाने की सलाह दी जाती है।

६) उपचार के क्या विकल्प हैं**?**

हेटेरोटोपिक गर्भावस्था के उपचार का लक्ष्य अंतर्गर्भाशयी गर्भावस्था के खतरे को कम करते हुए एक्टोपिक गर्भावस्था को समाप्त करना है। हेटरोटोपिक गर्भावस्था के इलाज के तीन तरीके हैं:

1. अपेक्षित प्रबंधन (वेट एंड वॉच)
2. सीधे एक्टोपिक एंब्रियो में इंजेक्शन देना ताकि एक्टोपिक गर्भावस्था समाप्त हो जाए।
3. सर्जिकल उपचार (लैप्रोस्कोपी या लैपरोटॉमी)।

यदि आप फटी हुई एक्टोपिक गर्भावस्था के साथ अस्पताल आते हैं, तो तत्काल सर्जरी करने की आवश्यकता होगी। यदि आप स्थिर स्थिति में हैं, तो डॉक्टर एक्टोपिक गर्भावस्था के स्थान और आकार और बच्चा पैदा करने की आपकी इच्छा के आधार पर आपके साथ सारे उपलब्ध उपचारों पर चर्चा करेंगे।

गर्भवती महिला या चिकित्सा उपचार का चयन करते समय, डॉक्टर आपको संभावित जोखिमों के बारे में बताएंगे, और यदि आपको फटी हुई एक्टोपिक गर्भावस्था के कोई भी लक्षण दिखें तो तुरंत अस्पताल आने की सलाह देंगे।

७) जोखिम कारक क्या हैं**?**

अगर गर्भावस्था नैचुरली हो जाती है तो हेटरोटोपिक गर्भावस्थ होने की संभावना अत्यंत कम है। यदि आपकी गर्भावस्था सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) से होती है, तो इस स्थिति का जोखिम 30-60 गुना बढ़ जाती है।ट्यूबल इन्फेक्शन, ट्यूबल सर्जरी, पिछली एक्टोपिक गर्भावस्था या नसबंदी इस स्थिति के लिए प्रमुख कारण हैं।

८) क्या ऐसा दोबारा होगा**?**

हेटरोटोपिक गर्भावस्था की पुनरावृत्ति की संभावना बेहद कम है।

मुझे और कौन से प्रश्न पूछने चाहिए?

- मेरी अगली अनुवर्ती यात्रा कब है?
- व्यवहार्य अंतर्गर्भाशयी गर्भावस्था को संरक्षित करने की मेरी संभावना क्या है?
- यदि मैं दोबारा गर्भवती हो जाऊं तो क्या मुझे कोई विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी?
- दोबारा गर्भवती होने का प्रयास करने से पहले मुझे कितने समय तक इंतजार करना चाहिए?

Last updated 2024